पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

एक नवरत्न पीएसयू

कार्य-निष्पादन की मुख्य विशेषताएं

31 मार्च 2018 को समाप्त तिमाही

उज्ज्वल भविष्य के लिए वित्तपोषण

डिस्क्लेमर

- यह प्रस्तुतिकरण दिनांक 31.03.2018 को समाप्त तिमाही के लिए पीएफ़सी के एकल अनंकेक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर तैयार किया गया है।

- इस प्रस्तुति में ऐसे बयान शामिल हो सकते हैं जो प्रबंधन के वर्तमान विचारों और अनुमानों को प्रतिबिंबित करते हैं और इन्हें आगे दिखने वाले कथन के रूप में समझा जा सकता है। भविष्य में ऐसी अनिश्चिताएं और जोखिम शामिल होते हैं जो वास्तविक परिणामों को भौतिक रूप से अलग-अलग दर्शाने वाले वर्तमान विचारों से भिन्न कर सकते हैं। संभावित अनिश्चिताएं और जोखिमों में सामान्य आर्थिक स्थितियों, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, प्रतिस्पर्धी उत्पाद और मूल्य निर्धारण के दबाव, औद्योगिक संबंध और विनियामक विकास जैसे कारक शामिल हैं।

- आंकड़ों को तुलनीय बनाने के लिए रीग्रुप/पुनः वर्गीकृत किया गया है।

- 'विश्लेषणात्मक डाटा' व्यवसाय की समझ की सुविधा के लिए सर्वश्रेठ अनुमान हैं और रिपोर्ट किए गए आंकड़ों का समाधान नहीं किया जाएगा।

- उत्तर केवल गैर-मूल्य संवेदनशील प्रश्नों के लिए दिए जाएंगे।

विद्युत क्षेत्र के दृष्टिकोण

मांग संभावना

2036-37 तक भारत की अधिकतम विद्युत मांग में तीन गुना उछाल की संभावना

विद्युत मांग आउटलुक

डिमांड ड्राइवर

- गाँवो का विद्युतीकरण - अप्रैल 2018 तक 100% विद्युतीकरण की उपलब्धि
- **सौभाग्य** - योजना के अंतर्गत आखिरी घर तक विद्युत कनेक्शन - दिसंबर 2018 तक 4 करोड़ घरों का विद्युतीकरण किया जाएगा – **28 गीगावाट मांग की उम्मीद**
- **राष्ट्रीय ई-मोबिलिटी कार्यक्रम** के अंतर्गत वाहनों का विद्युतीकरण – ईईएसएल द्वारा पिछले वर्ष 10,000 ई-वाहनों की खरीद की गई
- विद्युत मांग को बढ़ावा देने के लिए **'मेक इन इंडिया'** के अंतर्गत औद्योगिक क्रियाकलाप में विस्तार

अधिकतम मांग में निरंतर वृद्धि

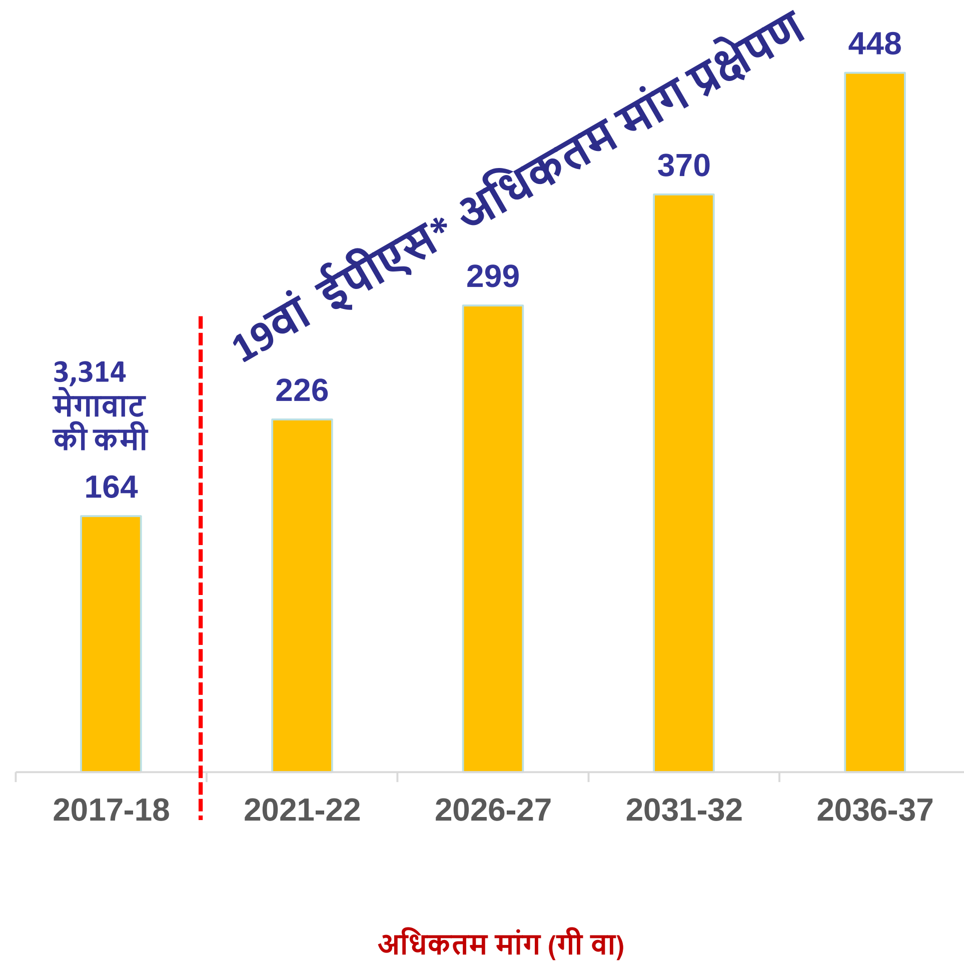

मार्च 2017-18 अनंतिम आंकडे हैं . *केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा विद्युत शक्ति सर्वेक्षण

(स्रोत – सौभाग्य पोर्टल, विद्युत मंत्रालय वेबसाइट/प्रस्तुतीकरण, सीईए, प्रेस रिलीज

दबाव के समाधान हेतु योजनाएं– 2500 मेगावाट विद्‌युत खरीद योजना

उद्देश्य	पीपीए मुद्दों के समाधान हेतु भारत सरकार द्वारा दिनांक 10 अप्रैल 2018 को 2500 मेगावाट की विद्‌युत खरीद योजना आरंभ की गई
योजना सार	2500 मेगावाट विद्‌युत खरीद की सुविधा के लिए: ▪ प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर ▪ 3 वर्ष के लिए ▪ बिना पीपीए के शुरू होने वाले कोयला आधारित पावर प्लांट से पीटीसी इंडिया योजना के अंतर्गत समूहक है - सफल बोलीदाताओं के साथ खरीद हेतु एवं डिस्कॉम के साथ विद्‌युत आपूर्ति हेतु 3 वर्ष के करार पर हस्ताक्षर करने के लिए पीएफ़सी कंसल्टिंग योजना के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के लिए नोडल एजेंसी है।
वर्तमान स्थिति	बोली प्रक्रिया शुरू की गई और बोलियां प्राप्त की गई हैं । बोली-पूर्व कॉन्फ्रेंस 11.05.2018 को आयोजित की गई। बोली जल्द ही पूर्ण होना अपेक्षित है।

(स्रोत –विद्‌युत मंत्रालय वेबसाइट)

दबाव के समाधान हेतु योजनाएं– शक्ति

उद्देश्य

शक्ति (भारत में कोयले के उपयोग और पारदर्शी तरीके से आबंटन के लिए योजना) कोयला अनुबंधन (लिंकेज) की कमी का समाधान करने के लिए 17 मई 2017 को भारत सरकार द्वारा शुरू की गई

योजना सार

राज्य/केंद्रीय जेनको और उनके संयुक्त उद्यम विद्युत मंत्रालय की सिफ़ारिशों के अनुसार कोयला अनुबंधन (लिंकेज) प्राप्त करेंगी – लिंकेज मात्रा 2 वर्षों तक प्रयोग न किए जाने पर समाप्त हो जाएगी

घरेलू कोयला आधारित पीपीए वाली आईपीपी के लिए नीलामी के आधार पर कोयला अनुबंधन (लिंकेज)

- मौजूदा शुल्क (पैसे/यूनिट) में छूट के लिए बोली
- शुल्क में न्यूनतम छूट निर्धारित की जाएगी
- छूट का समायोजन बिलिंग के समय सकल राशि से किया जाएगा

वर्तमान स्थिति

सीआईएल ने 11 और 12 सितंबर 2017 के बीच पात्र आईपीपी के लिए नीलामी का आयोजन किया

इस नीलामी में लगभग 9044 मेगावाट संचयी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए 10 बोलीदाताओं ने भाग लिया

कोल इंडिया ने कोल आबंटन जीतने वाले 10 पावर प्लांटों में से कुछ को कोयला सप्लाई करना शुरू कर दिया है

(स्रोत –विभिन्न प्रेस रिलीज)

पीएफसी के कार्य-निष्पादन की मुख्य विशेषताएं

मुख्य विशेषताएं

12 माह वि.व.18 बनाम 12 माह वि.व.17

ऋण परिसंपत्तियां (सकल)

2,78,915 करोड़ रुपए

14%

2,45,525 करोड़ रुपए

संवितरण

64,414 करोड़ रुपए

3%

62,798 करोड़ रुपए

पीएटी

5,855 करोड़ रुपए

2.75 गुना

2,126 करोड़ रुपए

निधियों की लागत

8.41%

23 bps

8.18%

स्नैपशॉट - 31.03.2018 तक — राशि –करोड़ रुपए

लाभ एवं हानि - मुख्य विशेषताएँ	12माह'18	ति 4'18
पीएटी	5,855	936
ब्याज आय	26,205	6,121
ब्याज व्यय	16,857	4,218
निवल ब्याज आय	9,348	1,903
अर्जित परिसंपातियों पर निवल ब्याज मार्जिन	3.76%	3.50%
निधियों की लागत	8.18%	8.05%
अर्जित परिसंपातियों पर ब्याज स्प्रेड	2.77%	2.65%

तुलन पत्र - मुख्य विशेषताएं	31.03.2018 तक
सकल ऋण परिसंपत्तियां	2,78,915
निवल ऋण परिसंपत्तियां	2,72,812
सकल एनपीए	26,703
निवल एनपीए	20,600
निवल एनपीए (सकल ऋण परिसंपातियों का %)	7.39%
पुनर्गठित मानक परिसंपत्तियां एनपीए से पुनर्गठित मानक से ऊपर के उन्नयन में से 12,017 करोड़ रुपए है।	24,105
पुनर्गठित ऋण परिसंपत्तियों पर प्रावधान	1,404
पूंजी पर्याप्तता अनुपात	19.99%
जिसका टियर I	16.98%
जिसका टियर II	3.01%

मुख्य विशेषताएँ

सरकारी क्षेत्र एनपीए परिसंपत्तियों में 79% की कमी - वि.व. 16-17 में 24,031 करोड़ रुपए से वि.व. 17-18 में 5,016 करोड़ रुपए

सरकारी क्षेत्र की पुनर्गठित परिसंपत्तियों में 47% की कमी- वि.व. 16-17 में 35,995 करोड़ रुपए से वि.व. 17-18 में 19,167 करोड़ रुपए

बकाया विदेशी मुद्रा जुटाव में 115% की वृद्धि - वि.व. 16-17 में 1,302 मिलियन यूएसडी से वि.व. 17-18 में 2,803 मिलियन यूएसडी

वित्त वर्ष 17-18 के दौरान जुटाई गई विदेशी मुद्रा के समतुल्य (10,686 करोड़ रूपए) 1,65 9 मिलियन यूएसडी

- ग्रीन बॉण्डस - 400 मिलियन यूएसडी
- सिंडिकेटिड ऋण - 800 मिलियन यूएसडी
- एफ़सीएनआर (बी) ऋण- 459 मिलियन यूएसडी

ऋण लागत को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा ऋणों का पुनर्वित्तपोषण / पुन: मूल्य निर्धारण

- वित्त वर्ष 17-18 के दौरान 3 साल की औसत अवशिष्ट परिपक्वता के साथ 450 मिलियन यूएसडी के ऋण का पुनर्वित्तपोषण किया गया
  - वित्त वर्ष 18-19 में 650 मिलियन (लगभग) के समतुल्य यूएसडी की कीमत के ऋणों के लिए पुनर्वित्तपोषण / पुन: मूल्य निर्धारण की संभावना का पता लगाया जा रहा है

वित्तीय कार्य-निष्पादन

लाभ एवं हानि और मुख्य अनुपात

राजस्व और लाभ वृद्धि

(करोड़ रुपए)

	ति.4 वि.व. 18	ति.3 वि.व. 18	ति.4 वि.व. 17	वि.व. 18	वि.व. 17
ब्याज आय	6,121	6,203	5,615	26,205	26,682
ब्याज व्यय	(4,218)	(4,242)	(4,030)	(16,857)	(16,326)
निवल ब्याज आय	1,903	1,961	1,585	9,348	10,357
परिचालन लागत	(40)	(62)	(53)	(362)	(354)
प्रावधान*	(500)	219	(4,499)	(815)	(5,094)
कर और असाधारण मदों से पहले लाभ	**1,446**	**2,112**	**(2,863)**	**8,327**	**5,110**
कर प्रावधान	(375)	(587)	(670)	(2,421)	(3,074)
डीटीएल/डीटीए	(135)	80	123	(50)	91
कर अदायगी के बाद लाभ	**936**	**1,604**	**(3,409)**	**5,855**	**2,126**

**मानक परिसंपत्तियों, पुनर्गठित मानक परिसंपत्तियों, एनपीए परिसंपत्तियों और निवेश के मूल्य में गिरावट के प्रावधान शामिल हैं।*

मुख्य अनुपात

	ति.4 वि.व. 18	ति.3 वि.व. 18	ति.4 वि.व. 17	वि.व. 18	वि.व. 17
अर्जित परिसंपत्तियों पर लाभ	10.71%	10.95%	10.01%	10.96%	11.60%
निधियों की लागत	8.05%	8.10%	8.36%	8.18%	8.41%
अर्जित परिसंपत्तियों पर ब्याज स्प्रेड	2.65%	2.85%	1.65%	2.77%	3.19%
अर्जित परिसंपत्तियों पर निवल ब्याज मार्जिन	3.50%	3.85%	2.83%	3.76%	4.46%

आंकड़ों को तुलनीय बनाने के लिए पुनः समूहित (रीग्रुप)/पुनः वर्गीकृत किया जाता है। पी एवं एल केवल मुख्य मदों को दर्शाता है और इसलिए, कुल आंकड़े रिपोर्टेड आंकड़ों के साथ समाधान नहीं किए जा सकते। अनुपात वार्षिक एवं दैनिक औसत के आधार पर हैं तथा इसमें विनिमय/हानि वृद्धि शामिल नहीं है और समाप्त कर दिया गया है

((मार्च को समाप्त वर्ष)

तुलन-पत्र एवं मुख्य अनुपात

तुलन-पत्र वृद्धि

(करोड़ रूपए))

	वि.व.18	वि.व. 177
परिसंपत्तियां	**2,86,465**	**2,58,461**
ऋण परिसंपत्तियां (निवल)	2,72,812	2,40,169
निवेश	2,336	3,591
निर्धारित एवं अन्य परिसंपत्तियां	11,317	14,701
देयताएं	**2,86,465**	**2,58,461**
शेयरधारक निधियाँ	39,861	36,470
ऋण	2,29,538	2,02,588
प्रावधान (एनपीए के अतिरिक्त)*	2,968	4,590
अन्य देयताएं एवं डीटीएल	14,098	14,813

**मुख्य रूप से पुनर्गठित मानक परिसंपतियों एवं मानक परिसंपत्तियों पर प्रावधान शामिल हैं।*

मुख्य अनुपात

	ति.4 वि.व. 18	ति.3 वि.व. 18	ति.4 वि.व.Y 17	वि.व. 18	वि.व. 17
नेटवर्थ (शेयर पूंजी + सभी आरक्षित)	39,861	39,716	36,470	39,861	36,470
औसत नेटवर्थ पर रिटर्न	9.41%	16.13%	-ve	15.35%	5.89%
औसत परिसंपत्तियों पर रिटर्न	1.34%	2.37%	-ve	2.15%	0.84%
डेब्ट इक्विटी अनुपात	5.76	5.38	5.55	5.76	5.55
पूंजी पर्याप्तता अनुपात	19.99%	20.75%	19.28%	19.99%	19.28%
ईपीएस* (सितंबर, 16 में 1:1 के जारी बोनस शेयर पर विचार करने के बाद)	14.18 रुपए	24.31रुपए	-ve	22.18 रुपए	8.05 रुपए
प्रति शेयर बुक मूल्य (सितंबर 16 में 1:1 के जारी बोनस शेयर पर विचार करने के बाद)	150.98 रुपए	150.44 रुपए	138.14 रुपए	150.98 रुपए	138.14 रुपए

आंकड़ों को तुलनीय बनाने के लिए पुनः समूहित (रीग्रुप)/पुनः वर्गीकृत किया जाता है। बी/एस केवल मुख्य मदों को दर्शाता है और इसलिए, कुल आंकड़े रिपोर्टेड आंकड़ों के साथ समाधान नहीं किए जा सकते। अनुपात वार्षिक आधार पर हैं।

(मार्च को समाप्त वर्ष)

प्रचालनगत कार्य-निष्पादन

संस्वीकृतियां-संयोजन

(करोड़ रुपए)

	ति.4 वि.व. 18		ति.4 वि.व. 17		ति.4 वि.व. 17		वि.व. 17	
	राशि	%	राशि	%	राशि	%	राशि	%
संस्वीकृतियां	**45,712**	**100%**	**27,236**	**100%**	**1,16,233**	**100%**	**100,603**	**100%**
योजना वार								
उत्पादन	19,188	42%	10,145	37%	59,083	51%	45,294	45%
पारेषण	4,353	10%	9,180	34%	12,735	11%	17,166	17%
वितरण	16,511	36%	4,633	17%	27,799	24%	23,946	24%
अन्य	5,660	12%	3,278	12%	16,616	14%	14,197	14%
क्षेत्र- वार								
राज्य क्षेत्र	30,939	68%	23,377	86%	86,801	75%	82,263	82%
केंद्रीय क्षेत्र	-	0%	0	0%	-	0%	4,118	4%
संयुक्त क्षेत्र	5,620	12%	0	0%	14,787	13%	2,760	3%
निजी क्षेत्र	9,153	20%	3,859	14%	14,645	13%	11,462	11%
आर-एपीडीआरपी /आईपीडीएस	**1,311**	**100%**	**185**	**100%**	**2,637**	**100%**	**3,045**	**100%**
आर-एपीडीआरपी (भाग- क)	-	0%	0	0%	-	0%	28	1%
आर-एपीडीआरपी (भाग- ख)	-	0%	0	0%	-	0%	-	-
आईपीडीएस	1,311	100%	185	100%	2,637	100%	3,018	99%

(मार्च को समाप्त वर्ष))

संस्वीकृतियां - 31.03.2018 तक बकाया संस्वीकृतियां

(करोड़ रुपए)

	बकाया संस्वीकृतियां जहां			
विवरण	दस्तावेज़ निष्पादित हैं तथा संवितरण शुरू है	दस्तावेज़ निष्पादित हैं किंतु संवितरण शुरू नहीं हुआ	दस्तावेज़ निष्पादित नहीं किए गए	कुल बकाया संस्वीकृतियां
बकाया संस्वीकृतियां	**90,032**	**32,248**	**23,943**	**1,46,222**
<u>योजना-वार</u>				
उत्पादन	55,923	18,241	4,889	79,054
पारेषण	14,704	7,341	7,657	29,702
वितरण	18,124	2,834	6,818	27,776
अन्य	1,280	3,832	4,578	9,690
<u>क्षेत्र- वार</u>				
राज्य क्षेत्र	78,273	16,092	22,775	1,17,140
केंद्रीय क्षेत्र	1,890	-	-	1,890
संयुक्त क्षेत्र	4,026	6515	-	10,542
निजी क्षेत्र	5,842	9,640	1,168	16,650

(मार्च को समाप्त वर्ष

संवितरण – संयोजन

(करोड़ रूपए)

	ति.4 वि.व. 18		ति.4 वि.व. 17		वि.व. 18		वि.व. 17	
	राशि.	%	राशि	%	राशि	%	राशि	%
संवितरण	**26,852**	**100%**	**28,383**	**100%**	**64,414**	**100%**	**62,798**	**100%**
योजना वार								
उत्पादन	15,652	58%	10,814	38%	36,956	57%	29,267	47%
पारेषण	1,970	7%	1,345	5%	4,436	7%	3,905	6%
संवितरण	5,960	22%	14,001	49%	11,571	18%	18,229	29%
अन्य	3,270	12%	2,224	8%	11,450	18%	11,397	18%
क्षेत्र वार								
राज्य क्षेत्र	18,891	70%	23,114	81%	42,348	66%	45,757	73%
केंद्रीय क्षेत्र	236	1%	1,264	4%	905	1%	4,659	7%
संयुक्त क्षेत्र	615	2%	693	2%	6,826	11%	4,730	8%
निजी क्षेत्र	7,111	26%	3,312	12%	14,335	22%	7,652	12%
आर-एपीडीआरपी/आईपीडीएस	**750**	**100%**	**1,198**	**100%**	**3,442**	**100%**	**3,914**	**100%**
आर-एपीडीआरपी (भाग क)	281	37%	189	16%	408	12%	655	17%
आर-एपीडीआरपी (भाग ख)	146	19%	270	23%	555	16%	926	24%
आईपीडीएस	323	43%	740	62%	2,479	72%	2,333	60%

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण परिसंपत्तियां- संयोजन

(करोड़ रुपए)

की तारीख तक	31.03.2018		31.03.2017	
	राशि	%	राशि	%
सकल ऋण परिसंपत्तियां	**2,78,915**	**100%**	**245,525**	**100%**
योजना वार				
उत्पादन	2,03,410	73%	1,86,878	76%
पारेषण	19,646	7%	16,907	7%
वितरण	29,997	11%	20,092	8%
अन्य	25,861	9%	21,648	9%
क्षेत्र वार				
राज्य क्षेत्र	1,82,069	65%	161,137	66%
केंद्रीय क्षेत्र	21,260	8%	22,931	9%
संयुक्त क्षेत्र	24,785	9%	19,378	8%
निजी क्षेत्र	50,801	18%	42,079	17%

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता एवं प्रावधान – एनपीए स्थिति

(करोड़ रुपए)

	31.03.2018		31.12.2017		31.03.2017	
	राशि	सकल ऋण परिसंपत्तियों का %	राशि	सकल ऋण परिसंपत्तियों का %	राशि	सकल ऋण परिसंपत्तियों का %
सकल एनपीए	**26,703**	**9.57%**	**14,977**	**5.71%**	**30,702**	**12.50%**
क) राज्य क्षेत्र	5,016	1.80%	6,287	2.40%	24,031	9.79%
ख) निजी क्षेत्र	21,687	7.78%	8,690	3.32%	6,671	2.72%
एनपीए प्रावधान	**6,103**	**2.19%**	**4,054**	**1.55%**	**5,356**	**2.18%**
क) राज्य क्षेत्र	533	0.19%	1,015	0.39%	2,617	1.07%
ख) निजी क्षेत्र	5,570	2.00%	3,039	1.16%	2,739	1.12%
निवल एनपीए	**20,600**	**7.39%**	**10,923**	**4.16%**	**25,346**	**10.32%**

21,687 करोड़ रूपए के निजी क्षेत्र की एनपीए परिसंपत्तियों के लिए 26% एनपीए प्रावधान (5,570 करोड़ रूपए) किया गया है

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता एवं प्रावधान – पुनर्गठित मानक ऋण परिसंपत्तियां

(करोड़ रुपए)

विवरण	31.03.2018	31.12.2017	31.03.2017
पुनर्गठित ऋण परिसंपत्तियां	**24,105**	**56,636**	**55,441**
राज्य क्षेत्र	19,167	40,852	35,995
निजी क्षेत्र	4,938	15,784	19,446
पुनर्गठित मानक ऋण परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान	**1,404**	**3,152**	**2,356**
राज्य क्षेत्र	958	2,043	1,530
निजी क्षेत्र	446	1,109	826

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता एवं प्रावधान - प्रावधान की स्थिति

(करोड़ रुपए)

विवरण	ऋण परिसंपत्तियां (31.03.2018 तक)	ऋण परिसंपत्तियों पर प्रावधान		
		31.03.2018	31.12.2017	31.03.2017
मानक परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान	2,28,107	1,338	1,333	558
पुनर्गठित मानक परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान	24,105	1,404	3,152	2,356
एनपीए के लिए प्रावधान	26,703	6,103	4,054	5,356
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण (आरबीडीडी) के लिए आरक्षित	-	3,383	3,326	3,015
कुल	**2,78,915**	**12,228**	**11,865**	**11,285**

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट - कुल पोर्टफॉलियो

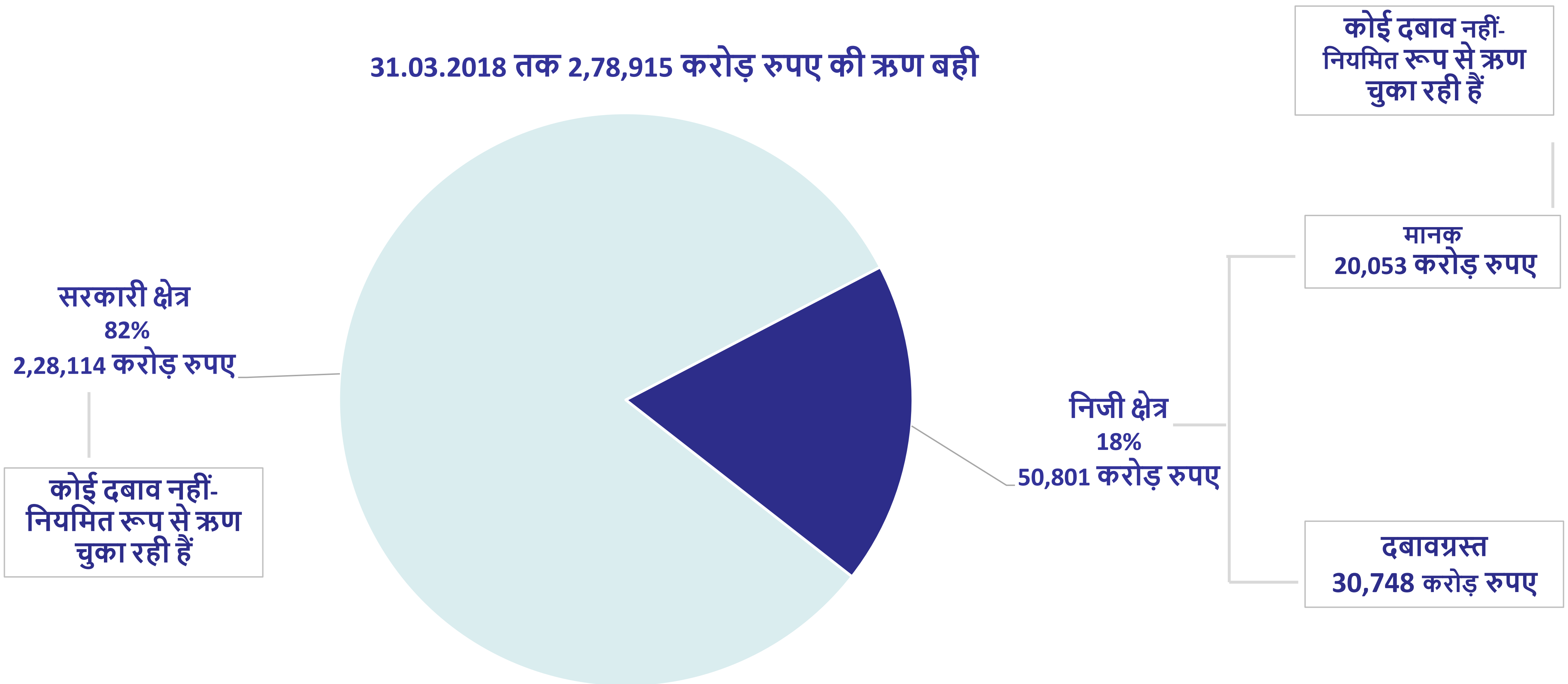

ऋण परिसंपत्तियों में से 89% परिसंपत्तियां नियमित रूप से अपनी देयताएं चुका रही हैं और किसी दबाव की परिकल्पना नहीं की गई है

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट – 31.03.2018 तक सरकारी क्षेत्र

सरकारी ऋण– 89% मानक परिसंपत्ति

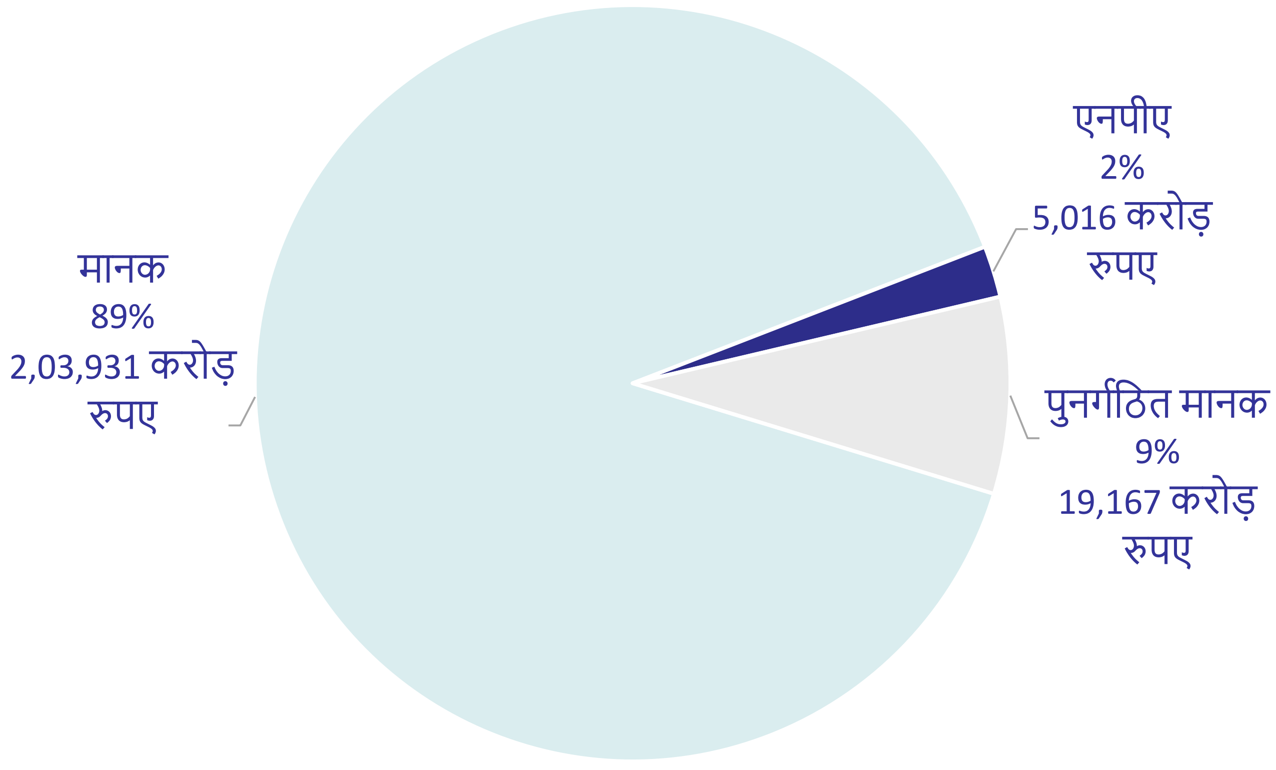

- **ति4'18 में विकास – सरकारी पोर्टफॉलियो**
  - पुनर्गठित मानक परिसंपत्तियों की स्थिति
    - ति3'18 से पुनर्गठित परिसंपत्तियों में 53% तक कमी – 40,852 करोड़ रुपए से 19,167 करोड़ रुपए
    - ति4 के दौरान, डीसीसीओ की प्राप्ति पर 21,963 करोड़ रुपए के ऋण पुनर्गठित मानक श्रेणी से मानक श्रेणी में उन्नयन(अपग्रेड) किए गए
    - ति'4 में पुनर्गठित परिसंपत्तियों में वृद्धि - 134 करोड़ रुपए
  - एनपीए की स्थिति
    - ति3'18 से एनपीए परिसंपत्तियों में 20% तक कमी – 6,287 करोड़ रुपए से 5,016 करोड़ रुपए
    - ति4 में एनपीए में कोई वृद्धि नहीं
    - एनपीए से मानक श्रेणी में उन्नयन - 709 करोड़ रुपए के ऋण
    - पूर्णरूप से पुनर्भुगतान किए जाने पर 486 करोड़ रुपए का ऋण एनपीए से बाहर
- **अपेक्षित उन्नयन (अपग्रेडेशन) – वि.व.18-19**
  - एनपीए से पुनर्गठित मानक श्रेणी– 4600 करोड़ रुपए (लगभग) मूल्य के ऋण – 230 करोड़ रुपए (लगभग) का व्युत्क्रमण प्रावधान
  - पुनर्गठित मानक से मानक श्रेणी– 12,000 करोड़ रुपए (लगभग) मूल्य के ऋण – 600 करोड़ रुपए का व्युत्क्रमण प्रावधान

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट - 31.03.2018 तक निजी क्षेत्र – प्रावधान स्थिति

(करोड़ रुपए)

निजी क्षेत्र की 28 परियोजनाएं 30,748 करोड़ रुपए की बकाया राशि के कारण दबाव में हैं

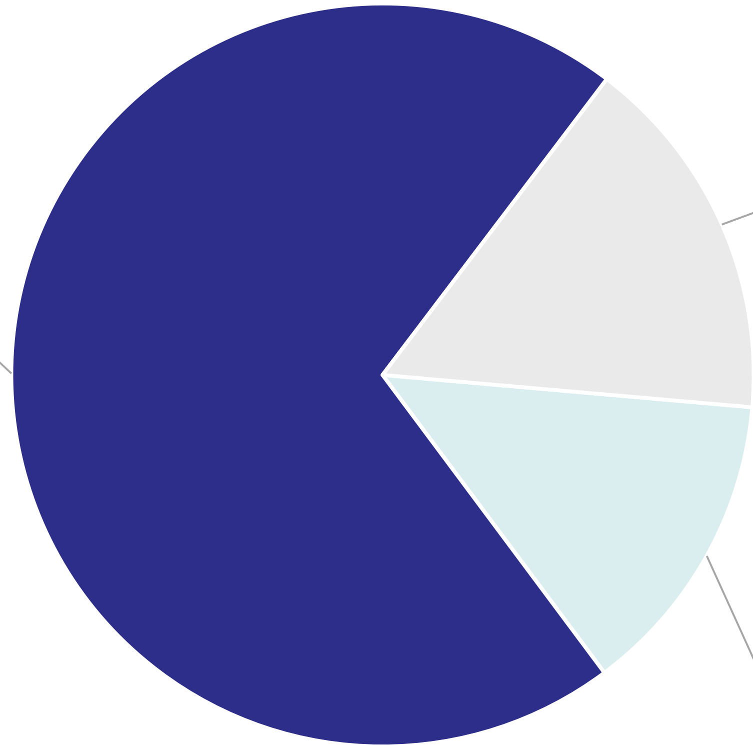

दबावग्रस्त परिसंपत्तियां – प्रावधान स्थिति

	31.03.2018 की तारीख तक
1) पुनर्गठित मानक ऋण परिसंपत्ति संबंधी प्रावधान	446
2) एनपीए संबंधी प्रावधान	5,570
3) मानक परंतु दबावग्रस्त परिसंपत्ति संबंधी प्रावधान	125
4) अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए आरक्षित	3,383
कुल योग	9,524

30,748 करोड़ रुपए की दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए 31% प्रावधान/ आरक्षित निधि (9,524 करोड़ रुपए) उपलब्ध है

(मार्च को समाप्त वर्ष)

दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान संबंधी आरबीआई के दिनांक 12.02.2018 के परिपत्र की प्रासंगिकता

आरबीआई द्वारा दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए दिनांक 12.02.2018 को संशोधित फ्रेमवर्क शुरू किया गया

यह परिपत्र बैंकों के लिए जारी किया गया है और एनबीएफ़सी पर लागू नहीं है। इसलिए यह परिपत्र पीएफ़सी पर लागू नहीं है

इस परिपत्र में आरबीआई ने उनके द्वारा पूर्व में जारी की गई स्ट्रेटेजिक डेब्ट पुनर्गठन, एस4ए जैसी समाधान योजनाएं हटा ली हैं

यद्यपि यह परिपत्र पीएफ़सी पर लागू नहीं है, परंतु बैंकों के कंसोर्शियम में होने के कारण और एक विवेकपूर्ण उपाय के रूप में आरबीआई समाधान योजना के अंतर्गत सभी ऋणों को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट– निजी क्षेत्र – आज तक की तारीख तक समाधान स्थिति

➢ एनसीएलटी द्वारा समाधान की जा रही परियोजनाओं की स्थिति – सभी परियोजनाएं एनपीए श्रेणी से संबधित हैं

<table>
<tr><th>विवरण</th><th>31.03.2018 तक बकाया राशि (करोड़ रुपए में)</th><th>श्रेणी (मेगावाट में)</th><th>सीओडी की स्थिति</th><th>31.03.2018 तक प्रावधान (करोड़ रुपए में)</th><th>31.03.2018 तक किए गए प्रावधान का %</th></tr>
<tr><td colspan="6"><u>ऐसे मामले जिनमें आवेदन एनसीएलटी में स्वीकार किए गए –आज की तारीख तक</u></td></tr>
<tr><td>1. ईस्ट कोस्ट एनर्जी</td><td>1,193</td><td>1,320</td><td rowspan="3">शुरू नहीं की गई</td><td rowspan="3">681</td><td rowspan="3">42%</td></tr>
<tr><td>2. इंड-भरत (मद्रास)</td><td>442</td><td>660</td></tr>
<tr><td>पूर्ण योग</td><td>1,635</td><td>1,980</td></tr>
<tr><td colspan="6"><u>ऐसे मामले जिनमें आवेदन एनसीएलटी के माध्यम से दर्ज़ किए गए हैं/किए जा रहे हैं</u></td></tr>
<tr><td>1(क) लेंकों अमरकंटक- यूनिट 1 एवं 2</td><td>331</td><td>600 (2X300)</td><td>शुरू की गई</td><td rowspan="9">2,371</td><td rowspan="9">37%</td></tr>
<tr><td>1(ख) लेंकों अमरकंटक पावर- यूनिट 3 एवं 4</td><td>2,142</td><td>1,320 (2X660)</td><td>शुरू नहीं की गई</td></tr>
<tr><td>2. इंड-भरत (उत्कल) (350MWX2) [1]</td><td>1,368</td><td>700</td><td rowspan="7">कोनासीमा गैस पावर के अतिरिक्त शुरू नहीं की गई</td></tr>
<tr><td>3. श्री महेश्वर हाइडल प्रोजेक्ट[1] -एचईपी</td><td>1,363</td><td>400</td></tr>
<tr><td>4. कोनासीमा गैस पावर</td><td>425</td><td>445</td></tr>
<tr><td>5. केवीके नीलांचल</td><td>399</td><td>350</td></tr>
<tr><td>6. जल पावर[1] - एचईपी</td><td>386</td><td>120</td></tr>
<tr><td>7. कृष्णा गोदावरी पावर[1]</td><td>77</td><td>60</td></tr>
<tr><td>पूर्ण योग</td><td>6,491</td><td>3,995</td></tr>
<tr><td>कुल जोड़</td><td>8,126</td><td>5,975</td><td></td><td>3,052</td><td>38%</td></tr>
</table>

[1] इन मामलो में, आवेदन पहले ही एनसीएलटी में दर्ज किया गया है

8,126 करोड़ रुपए के एनसीएलटी ऋणों के लिए 38% प्रावधान (3,052 करोड़ रुपए).

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट - निजी क्षेत्र - आज तक की तारीख तक समाधान स्थिति

➢ **आईबीसी के अतिरिक्त अन्य माध्यम से समाधान की जा रही परियोजनाओं की स्थिति**

विवरण	31.03.2018 तक बकाया राशि (करोड़ रुपए में)	क्षमता (मेगावाट में)	समाधान स्थिति	सीओडी की स्थिति	एफएसए	पीपीए
क. प्रबंधन में बदलाव– आईबीसी के बाहर						
1. केएसके महानदी पावर	3,300	3,600 (6X600)	15 ईओआई प्राप्त हुई, 13 ने अर्हता प्राप्त की। आरएफ़पी शीघ्र ही जारी किया जाएगा	3 यूनिट शुरू की गई	शक्ति के अंतर्गत आवंटन	87%
2.साउथ ईस्ट यू.पी. - ट्रांसमिशन	2,476	लागू नहीं	परियोजना अधिग्रहण के लिए उप्र सरकार से बातचीत की जा रही	65% पूर्ण[1]	लागू नहीं	लागू नहीं
3. इंडियाबुल्स रियलटेक- नाशिक	3,001	1,350	परियोजना अधिग्रहण के लिए महाराष्ट्र सरकार से बातचीत की जा रही है	शुरू की गई	73%	0%
4. जीएमआर छत्तीसगढ़	928	1,370	5 नॉन-बाइंडिंग ऑफर प्राप्त हुए। बाइंडिंग ऑफर दस्तावेज़ 25.05.2018 को जारी किए जाएंगे	शुरू की गई	0%	0%
5. एस्सार पावर- महान	1,345	1,200	प्रबंधन में बदलाव किया जा रहा है – ईओआई एक सप्ताह के भीतर जारी किए जाने की उम्मीद है	ग्रिड के साथ शुरू-सिंक्रोनाइज़ की गई	0%	21%
6. झाबुआ पावर	764	600	प्रबंधन में बदलाव के लिए बोली प्रक्रिया के माध्यम से ईओआई जारी की गई - इस सप्ताह तक बोलीदाताओं द्वारा प्रस्तुति	शुरू की गई	87%	70%
7. एस्टनफील्ड- सोलर	27	11.5	बोली प्रणाली के माध्यम से प्रबंधन में बदलाव	शुरू की गई	लागू नहीं	100%
कुल	**11,841**	**8131.5**				

[1] **मूल्यांकन पर आधारित**

जारी ... (मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट - निजी क्षेत्र - आज तक की तारीख तक समाधान स्थिति

➢ **आईबीसी के अतिरिक्त अन्य माध्यम से समाधान की जा रही परियोजनाओं की स्थिति**

विवरण	31.03.2018 तक बकाया राशि (करोड़ रुपए में)	क्षमता (मेगावाट में)	समाधान स्थिति	सीओडी स्थिति	एफ़एसए	पीपीए
ख. अंतिम रूप दी जा रही समाधान योजना – आईबीसी के अतिरिक्त						
1(क) आरकेएम पावरजेन (चरण I)	1,126	360	ऋणकर्ता द्वारा समाधान योजना प्रस्तुत की गई। पुनर्गठन की शर्तों को जून के अंत तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है	शुरू की गई	100%	100%
1(ख) आरकेएम पावरजेन (चरण II)	3,979	1,080		शुरू की गई	50%	43%
2. इंडियाबुल्स पावर – अमरावती (रत्तन इंडिया)	1,917	1,350	समाधान योजना अंतिम रूप में	शुरू की गई	100%	98%
3. इंडिया पावर हल्दिया	959	450 (3X150)	समाधान योजना को शीघ्र ही अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है	यूनिट 1 एवं 2 पूर्ण। यूनिट 3 निर्माणाधीन।	0%	66%
4. आर एस इंडिया- विंड	224	41.25	ऋणकर्ता द्वारा समाधान योजना प्रस्तुत की गई और इसकी जांच की जा रही है	शुरू की गई	लागू नहीं	100%
कुल	**8,205**	**3,281.25**				

जारी ...

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण गुणवत्ता स्नैपशॉट - निजी क्षेत्र - आज तक की तारीख तक समाधान स्थिति

➢ **आईबीसी के अलावा समाधान की जा रही परियोजनाओं की स्थिति**

विवरण	31.03.2018 तक बकाया राशि (करोड़ रुपए में)	क्षमता (मेगावाट में)	समाधान स्थिति	सीओडी स्थिति	एफ़एसए	पीपीए (मेगावाट में)
ग. कार्यान्वयन के अंतर्गत समाधान योजना– आईबीसी के बाहर						
1.जीवीके रातले	817	850	निपटान करार को अंतिम रूप दिया जा रहा है। ऋणकर्ता ने निपटान शर्तों के अनुसार भुगतान करना शुरू कर दिया है	शुरू नहीं की गई	0%	0%
2.शिगा एनर्जी- हाइड्रो	522	97	पीपीए पर हाल ही हस्ताक्षर किए गए हैं – विद्युत आपूर्ति एक महीने के भीतर शुरू हो जाएगी	शुरू की गई	लागू नहीं	अनुमोदनाधीन
3. डैंस एनर्जी- हाइड्रो	503	96		शुरू की गई	लागू नहीं	अनुमोदनाधीन
4.एस्सार पावर ट्रांसमिशन	438	लागू नहीं	जून 18 में शुरू होने की उम्मीद है। समाधान योजना को सीओडी के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा	95% पूर्ण[1]	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल	**2,280**	**1,043**				
घ . डीआरटी/एसएआरएफ़एईएसआई के अंतर्गत समाधान योजना						
298 करोड़ रुपए के ऋणों का डीआरटी/एसएआरएफ़एईएसआई के अंतर्गत समाधान किया जा रहा है						

[1] **मूल्यांकन पर आधारित**

(मार्च को समाप्त वर्ष)

ऋण प्रोफाइल

(करोड़ रुपए)

ऋण	31.03.2018		31.03.2017	
	राशि	%	राशि	%
बॉण्डस	1,96,436	86%	190,911	94%
सावधि ऋण	26,178	11%	9,277	5%
अल्पावधि ऋण	6,925	3%	2,401	1%
कुल	**2,29,538**	**100%**	**202,588**	**100%**
जिसमें से :				
रुपए मूल्य वर्ग	2,11,278	92%	194,144	96%
विदेशी मुद्रा ऋण	18,260	8%	8,444	4%

(मार्च को समाप्त वर्ष)

शेयरधारिता पैटर्न

(शेयर पूंजी %)

विवरण	31.03.2018	31.03.2017
भारत के राष्ट्रपति	65.92%	66.35%
एफआईआई एवं एफपीआई	14.00%	15.51%
भारतीय एफआई एवं बैंक	7.06%	9.51%
कॉर्पोरेट निकाय	1.29%	1.44%
निवासी व्यक्ति	4.87%	3.19%
म्यूचुअल फंडस	6.01%	3.25%
कार्मिक	0.05%	0.06%
अन्य	0.81%	0.70%
कुल	**100%**	**100%**

क्रं. सं.	शीर्ष 10 शेयरधारक (31.03.2018 तक)	धारित (%)	श्रेणी
1	भारत के राष्ट्रपति	65.92	पीओआई
2	भारतीय जीवन बीमा निगम	5.96	आईएनएस
3	एचडीएफ़सी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड- एचडीएफ़सी प्रूडेंस फंड	2.21	एमयूटी
4	यूबीएस प्रिंसिपल कैपिटल एशिया लिमिटेड	1.83	एफपीआई
5	सीपीएसई ईटीएफ़	0.77	एमयूटी
6	एचडीएफ़सी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड- एचडीएफ़सी शीर्ष 200 फंड	0.67	एमयूटी
7	मॉर्गन स्टेनले मॉरीशस कंपनी लिमिटेड	0.66	एफपीआई
8	बीएनपी परिबास आर्बिट्रेज़	0.47	एफपीआई
9	वेनगार्ड इमरजिंग मार्केट स्टॉक इंडेक्स फ़ंड	0.44	एफपीआई
10	मॉर्गन स्टेनले (फ्रांस) एस. ए.	0.41	एफपीआई

हमसे संपर्क करें

निवेशक संबंध सेल

पीएफसी का उद्देश्य मौजूदा और संभावित निवेशकों से जुड़ना और निवेश समुदाय के साथ एक मजबूत और स्थायी सकारात्मक संबंध बनाना है। इसके लिए, कंपनियों के प्रदर्शन पर निवेशकों को जानकारी प्रदान करने के लिए पीएफसी का एक समर्पित निवेशक संबंध सेल है

कृपया पीएफसी के वित्तीय प्रदर्शन से संबंधित प्रश्नों के लिए, निम्नलिखित पते पर निवेशक संबंध सेल से संपर्क करें :

श्री बी. एस. बिष्ट
(महाप्रबंधक)
टेलीफोन नं.: +91-11- 23456846
फ़ैक्स नं.: +91-11- 23456882
ईमेल :investorrelations@pfcindia.com

सुश्री जसनीत गुरम
(उप महाप्रबंधक)
टेलीफोन नं.: +91-11- 23456823
फ़ैक्स नं.: +91-11- 23456882
ईमेल :investorrelations@pfcindia.com

धन्यवाद !